**अपीलार्थी की ओर से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 389 (1) के अधीन आवेदन पत्र**

अपील के लम्बित रहने के दौरान लम्बित, जमानत पर अपीलार्थी का निर्मोचन माननीय उच्च न्यायालय नयी दिल्ली

(दाण्डिक अपीलीय अधिकारिता)

दाण्डिक प्रकीर्ण आवेदन पत्र सं. .............................. सन् ...............

इन

दाण्डिक अपील सं. ................. सन् ...............

के मामले में -

श्री ..................

पुत्र ..................

निवासी ..................

अपने पैरो कार भाई के जरिये (यदि अपील नातेदार .................. अपीलार्थी मित्र के जरिये दाखिल की जाती है।)

बनाम

एन. सी. टी. राज्य ....................... ....................... ....................... .......................प्रत्यर्थी

**अपीलार्थी की ओर से दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 389 (1) के अधीन आवेदन : अपील के लम्बित रहने के दौरान जमानत पर अपीलार्थी का निर्मोचन कभी नहीं अति सादर पूर्वक प्रदर्शित करता है** –

1. यह कि अपीलार्थी को धारा 392/397/34 भा. द. सं. के अधीन आरोपित किया गया और इन्होंने ..........
2. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दिल्ली के समक्ष विचारण का सामना किया।
3. यह कि अपीलार्थी को एल. डी. सत्र न्यायालय द्वारा ऊपर धाराओं के अधीन दोष सिद्ध किया गया है और उसे निम्नलिखित रीति से दण्डादेश पारित करने के लिए प्रसन्न किया गया -

"सात वर्ष का कठोर कारावास भोगने का" देखे आदेश दिनांकित 2-10-2019|

1. यह कि मामला गढ़ा हुआ प्रतीत होता है क्योंकि तीनों व्यक्ति 50 रुपये के लिए ठीक उन्हें ज्ञात एक व्यक्ति पर हमला नहीं करेंगे।
2. यह कि एक अपील उस आदेश के विरुद्ध दाखिल किया गया है जो इस आदरणीय न्यायालय के समक्ष लम्बित है और अपील के लम्बित रहने के दौरान निर्मोचन का लाभ प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करना चाहता है क्योंकि फंसाया जाना तृतीय डिग्री के तरीके के जरिये किया गया।
3. यह कि अपीलार्थी को सम्पूर्ण विचारण के किया गया है और 9/10 सितम्बर, 2019 को गिरफ्तारी से न्यायिक हिरासत में रखा था अतएव, यह अपील जमानत पर लम्बित अपील के अन्तिम निपटारे तक छोड़ने दण्डादेश के निलम्बन लिए की गयी है।
4. यह कि अपीलार्थी को आदरणीय न्यायालय के समाधान के लिए विश्वसनीय प्रतिभुओं को देने की तैयार किया है और यह शर्तो को स्वीकार करने के लिए तैयार है यदि कोई हो।

**प्रार्थना**

यह अति विनम्रता पूर्वक प्रार्थना की जाती है कि यह आदरणीय न्यायालय लम्बित अपील के अन्तिम निपटारा होने तक दण्डादेश के निलम्बन के साथ जमानत पर छोड़ने या जमानत पर वृद्धि किये जाने को मंजूर करने तथा कोई भी अन्य अनुतोष प्रदान करने की कृपा करे जिसे वह आदरणीय न्यायालय उपयुक्त तथा उचित समझे।

इस दयापूर्ण कार्य के लिए विनम्र अपीलार्थी / याची सदैव इस आदरणीय न्यायालय का आभारी होगा। यह तदनुसार प्रार्थना की जाती है।

अपीलार्थी/आवेदक

(पैरोकार)

जरिये अधिवक्ता

तारीख

स्थान

**शपथपत्र**

दाण्डिक प्रकीर्ण आवेदन पत्र सं. .............................. सन् ...............

इन

दाण्डिक अपील सं. ................. सन् ...............

**शपथपत्र**

मैं ............... पुत्र श्री ............... निवासी ............... निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् कथन करता हूँ -

1. यह कि मैं कथित मामले में भाई एवम् पैरोकार हूँ तथा मामले से पूर्णतया परिचित हूँ, अतएव इस शपथ पत्र पर शपथ लेने में सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे जमानत आवेदन पत्र को मेरे अनुदेशों पर प्रारुपित किया गया है और उसकी अन्तर्वस्तुओं को जन भाषा में पढ़कर सुनाया गया और स्पष्ट किया गया है जिसे मैं सत्य एवम् सही स्वीकृत करता हूँ।
3. यह कि कथित आवेदनपत्र की अन्तर्वस्तुओं को इस शपथपत्र को भाग एवम् पार्सल के रूप में कृपया पढ़ा जाए क्योंकि एक ही संक्षिप्तसार के लिए इसमें बार नहीं दोहराया जा रहा है।
4. यह कि कथित आवेदनपत्र की अन्तर्वस्तुए मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य एवम सही है और प्राप्त की सूचना के अनुसार उसके सत्य होने पर विश्वास करता हूँ।

शपथकर्त

**सत्यापन**

यह नयी दिल्ली में तारीख ............ को सत्यापित किया गया कि पैरा 1 लगायत 4 से ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तु मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवम् विश्वास में सत्य एवम् सही है और कोई बात उससे छिपायी नहीं गयी है।

शपथकर्ता